कार्यक्रम परियोजना रिपोर्ट(PPR)
(समाज विज्ञान विद्याशाखा)
राजनीति विज्ञान (स्नातकोत्तर)

कार्यक्रम के लक्ष्य और उद्देश्य (Programmer's mission & objectives)-)- राजनीति समाज का आईना होती है। राजनीति विज्ञान, सामाजिक विज्ञान का एक विषय है, जो राजनीतिक , आर्थिक व्यवस्था तथा सामाजिक व्यवहार की जांच करने के लिए मानवतावादी दृष्टिकोण और वैज्ञानिक कौशल दोनों का उपयोग करता है। इस विषय के अध्ययन से शिक्षार्थी सरकार, प्रशासन, भारतीय संविधान और विश्व के विभिन्न संविधानों और सरकारों का अध्ययन कर अपनी समझ विकसित कर सकेंगे। क्षेत्रीय राजनीति विशेषकर उत्तराखण्ड राज्य के सामाजिक,आर्थिक और राजनीतिक परिदृश्य का अध्ययन कर राज्य की सैद्धांतिक और व्यावहारिक राजनीति को समझने में सक्षम हो सकेंगे। भारतीय और पाश्चात्य चिंतन परंपरा के अध्ययन से शिक्षार्थियों के बौद्धिक और दार्शनिक दृष्टिकोण विकसित हो पाएगा।

कार्यक्रम की प्रासंगिकता(Relevance of the program with HEI's Mission and Goals)-इस कार्यक्रम की प्रासंगिकता है कि शिक्षार्थी सरकार, संविधान, संवैधानिक संस्थाओं, राजनीतिक प्रक्रियाओं, सामाजिक व्यवहार और प्रशासन का सैद्धांतिक अध्ययन कर विषय का गूढ़ ज्ञान प्राप्त कर इसके व्यावहारिक पक्ष को आत्मसात कर पाता है। विषय का अध्ययन कर शिक्षार्थी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए न्यूनतम अर्हता प्राप्त करता है। विभिन्न संभावनाओं की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ राजनीति विज्ञान छात्रों को अपने करियर को आगे बढाने में सहायता करता है । राजनीति विज्ञान में शिक्षार्थियों के लिए जीविकोपार्जन हेतु नीति-विश्लेषक, विधायी सहायक, सिविल सेवा, शिक्षण, जन-संपर्क प्रतिनिधि/ विशेषज्ञ आदि अवसर उपलब्ध हो सकते हैं।

लक्षित शिक्षार्थी समूह की प्रकृति (Nature of prospective target group of learners)-इस कार्यक्रम का लक्षित शिक्षार्थी समूह वह व्यक्ति है जो राज्य के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्र में रहते हैं एवं विभिन्न क्षेत्रों में अध्ययन के द्वारा ज्ञान अर्जित करने एवं उसका विस्तार करने हेतु प्रयासरत हैं। इस कार्यक्रम के द्वारा ना केवल दूरस्थ क्षेत्रों को केन्द्रित किया गया है, बल्कि उन जनमानस को भी इसमें सम्मिलित किया गयाहै,जोकिसी व्यवसाय या नौकरी में रहते हुए संस्थागत(Regular) शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकते और अधिक आयु हो जाने के कारण औपचारिक शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकते।

मुक्त एवमं दूरस्थ प्रणाली में विशिष्ट कौशल व योग्यता प्राप्त करने हेतु कार्यक्रम कीउपयुक्ता(Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specificskills and competence)-शिक्षार्थी राजनीति विज्ञान में स्नातक होने के उपरान्त प्रशासन के क्षेत्र में विभिन्न प्रतियोगी परिक्षाओं के लिए न्यूनतम अर्हता अर्जित कर लेता है। स्नातकोत्तर करने के लिए योग्य हो जाता है। शिक्षार्थी सरकार, संविधान, संवैधानिक संस्थाओं, राजनीतिक प्रक्रियाओं, सामाजिक व्यवहार और प्रशासन का सैद्धांतिक अध्ययन कर विषय का गूढ़ ज्ञान प्राप्त कर इसके व्यावहारिक पक्ष को आत्मसात कर पता है।

निर्देशात्मक संरचना (Instructional Design)- राजनीति विज्ञान विषय में स्नातकोत्तर स्तर पर दो वर्षीय पाठ्यक्रम को सेमेस्ट प्रणाली के आधार पर चलाया गया है, जिसमें प्रत्येक सेमेस्टर के प्रश्न-पत्रों को खण्डों और इकाईयों में विभक्त किया गया है। तथाप्रत्येक प्रश्न-पत्र के लिए 4 श्रेयांक (Credit) निश्चित किये गये हैं,अत:

स्नातकोत्तर विषय में चार सेमेस्टर में 16 प्रश्न-पत्रों में 64 श्रेयांक (Credit) अर्जित करने होते हैं। प्रत्येक खण्ड में न्यूनतम दो और अधिकतम पांच इकाईयां हैं। स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में 8 प्रश्न-पत्र-अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धान्त-I,भारतीय राजनीतिक व्यवस्था-I, पाश्चात्य् राजनीतिक चिंतन-I,तुलनात्मक राजनीति एवं राजनीतिक संस्थाएं-I, अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धान्त-II,भारतीय राजनीतिक व्यवस्था-II, पाश्चात्य् राजनीतिक चिंतन-II,तुलनात्मक राजनीति एवं राजनीतिक संस्थाएं-IIहैं और द्वितीय वर्ष में 8 प्रश्न-पत्र-भारतीय राजनीतिक चिंतन-I, लोकप्रशासन के सिद्धान्त-I, अन्तर्राष्ट्रीय संबंध 1945 से वर्तमान तक- I , भारत में लोक प्रशासन : उत्तराखण्ड राज्य के विशेष सन्दर्भ में-I, भारतीय राजनीतिक चिंतन-II, लोकप्रशासन के सिद्धान्त-II, अन्तर्राष्ट्रीय संबंध 1945 से वर्तमान तक- II , भारत में लोक प्रशासन: उत्तराखण्ड राज़्य के विशेष सन्दर्भ में-IIहैं। कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि दो वर्ष और अधिकतम छ: वर्ष है। राजनीति विज्ञान विभाग के लिए सहायक अकादमिक, सहायक प्राध्यापक, सह प्राध्यापक और प्राध्यापक की आवश्यकता है। राजनीति विज्ञान में विश्वविद्यालय स्तर पर स्वयं की अध्ययन सामग्री उपलब्ध है। अध्ययन सामग्री को छात्रों तक किताबों के माध्यम के साथ-साथ आनलाईन, ऑडियो-विडियो के माध्यम से भी उपलब्ध कराया जाता है।

पाठ्यक्रम (Syllabus)

एम0 ए0 प्रथम वर्ष

प्रथम सेमेस्टर	
अंतराष्ट्रीय राजनीति के सिद्धान्त भाग- 1 (एमएपीए- 501) **खण्ड- 1** **अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धान्त** इकाई 1- अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति का अध्ययन विषय के रूप में विकास-अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र इकाई 2- अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों के अध्ययन के सिद्धान्त - आदर्शवादी, यथार्थवादी व नवयथार्थवादी इकाई 3- अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धान्त- मार्गेन्थाऊ का यथार्थवाद, केनेथ वाल्ट्ज का यथार्थवाद इकाई 4- अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति का व्यवस्था सिद्धान्त-मार्टन काप्लान का व्यवस्था सिद्धान्त **खण्ड- 2** **अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों के अध्ययन के उपागम** इकाई 5- परम्परावादी, व्यवहारवादी इकाई 6- उदारवादी, नव-उदारवादी इकाई 7- मार्क्सवादी	भारतीय राजनीतिक व्यवस्था- I (एमएपीएस -502) **खण्ड 1** **भारतीय राजनीतिक व्यवस्था** इकाई 1- भारतीय राजनीतिक व्यवस्था के मूल आधार इकाई 2- भारतीय संविधान की विशेषताएं इकाई 3- मूल अधिकार, मूल कर्त्तव्य इकाई 4-राज्य के नीति निदेशक तत्व इकाई 5-भारतीय संघ का स्वरूप **खण्ड 2** **संघ का शासन** इकाई 6-राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति इकाई 7-मंत्रिपरिषद, प्रधानमन्त्री का पद एवं स्थिति एक समीक्षा इकाई 8- संसद: संगठन, शक्तियाँ इकाई 9- केन्द्र तथा राज्यों के पारस्परिक संबंध

खण्ड-3 **अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति की मूल संकल्पनाएं** इकाई 8- अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में शक्ति की अवधारणा इकाई 9-राष्ट्रीय शक्ति के तत्व, बदलते स्वरूप इकाई 10-अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में विचारधारा की भूमिका इकाई 11-विदेश नीति के निर्धारक तत्व	**खण्ड 3** **राज्य का शासन** इकाई 10-राज्यपाल, मंत्रिपरिषद इकाई 11-मुख्यमंत्री, महाधिवक्ता इकाई 12-विधान मंडल

पाश्चात्य् राजनीतिक चिंतन-I (एमएपीएस-503) **खण्ड 1** **यूनानी राजनीतिक चिन्तन** इकाई 1- प्लेटो से पूर्व का राजनीतिक चिंतन-सोफिस्ट, सुकरात, सिनिक्स, साइरेनेइक्स इकाई 2- प्लेटो इकाई 3- अरस्तू इकाई 4-अरस्तू के बाद का चिन्तन- एपीक्यूरियन और सिनिकसम्प्रदाय **खण्ड 2** **मध्यकालीन राजनीतिक चिन्तन-1** इकाई 5- सन्त अम्बोज, सन्त आगस्टाइन, ग्रेगरी महान इकाई 6- मध्य कालीन राजनीतिक चिन्तन की विशेषताएँ इकाई 7- टामस एक्विनास, मार्सिलियो ऑफ पेडुआ **खण्ड 3** **मध्यकालीन राजनीतिक चिन्तन-2** इकाई 8- परिषदीय आन्दोलन इकाई 9- पुनर्जागरण इकाई 10- धर्मसुधार और प्रतिवादात्मक धर्म सुधार **खण्ड 4** **मैकियावली, बोंदा और ग्रोसियस** इकाई 11- मैकियावली इकाई 12-बोंदा इकाई 13- ग्रोसियस	तुलनात्मक राजनीति एवं राजनीतिक संस्थाएं-I(एमएपीएस -504) **खण्ड 1** **तुलनात्मक राजनीति अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र और उपागम** इकाई 1-तुलनात्मक राजनीति- अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र इकाई 2- तुलनात्मक राजनीतिक के परम्परागत उपागम इकाई 3-तुलनात्मक राजनीतिक के आधुनिक उपागम **खण्ड 2** **संविधानवाद, शासन के अंग** इकाई 4-संविधान और संविधानवाद इकाई 5-व्यवस्थापिका- एक सदनीय, द्विसदनीय, व्यवस्थापिका का पतन इकाई 6-कार्यपालिका इकाई 7- न्यायपालिका **खण्ड 3** **शासन के रूप** इकाई 8-एकात्मक, संघात्मक एवम् संघवाद की आधुनिक प्रवृत्तियां इकाई 9-संसदात्मक व अध्यक्षात्मक इकाई 10-लोकतन्त्र- अर्थ, प्रकृति, सिद्धान्त इकाई 11-अधिनायकतन्त्र-अर्थ, प्रकृति

द्वितीय सेमेस्टर	
अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धान्त-II(एमएपीएस -505) **खण्ड 1** **अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में राष्ट्र हित** **इकाई 1-राष्ट्र हित** **इकाई 2- राष्ट्रीय हित की अभिवृद्धि के साधन - कूटनीति,** **इकाई3-राष्ट्रीय हित की अभिवृद्धि के साधन- युद्ध** **इकाई 4- राष्ट्रीय हित की अभिवृद्धि के साधन- प्रचार** **खण्ड 2** **साम्राज्यवाद, उपनिवेशवाद नवउपनिवेशवाद शक्ति सन्तुलन व समूहिक सुरक्षा** **इकाई 5-साम्राज्यवाद, उपनिवेशवाद** **इकाई 6-नवउपनिवेशवाद- बहुराष्ट्रीय निगमों की भूमिका के सन्दर्भ में** **इकाई 7-शक्ति सन्तुलन** **इकाई8-समूहिक सुरक्षा की अवधारणा** **खण्ड 3** **अन्तर्राष्ट्रीय कानून, संगठन, गुटनिरपेक्षता अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में नैतिकता तथा विश्व लोकमत** **इकाई 9-अन्तर्राष्ट्रीय विधि- अर्थ, प्रकृति और भूमिका, अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति एवम् अन्तर्राष्ट्रीय विधि का संबंध** **इकाई 10-अन्तर्राष्ट्रीय संगठन तथा विश्व सरकार की अवधारणा** **इकाई 11-गुटनिरपेक्षता- अर्थ, उद्देश्य, विशेषताएँ , प्रासंगिकता** **इकाई12- अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में नैतिकता की भूमिका** **इकाई13-विश्व लोकमत**	**भारतीय राजनीतिक व्यवस्था-II (एमएपीएस -506)** **खण्ड 1** **न्यायपालिका** **इकाई 1- सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय- संगठन, कार्य, शक्तियां** **इकाई2- भारतीय राजनीति में न्यायपालिका की भूमिका, न्यायिक सक्रियता** **खण्ड 2** **निर्वाचन आयोग, दलीय व्यवस्था, दबाव समूह** **इकाई 3- निर्वाचन आयोग संरचना,कार्य भूमिका** **इकाई4-भारत में दलीय राजनीति** **इकाई5-दल बदल की राजनीति** **इकाई 6-मिश्रित सरकारें- गठन और कार्यचालन, संभावनाएँ** **इकाई 7- भारत में दबाव समूह** **खण्ड 3** **राजनीतिक प्रक्रियाएं** **इकाई 8-भारतीय राजनीति में जातिवाद** **इकाई 9-अल्पसंख्यक तथा अनुसूचित जाति की राजनीति** **इकाई10-भारत का राजनीतिक विशिष्ट वर्ग** **इकाई 11-भारत में धर्मनिरपेक्षता** **खण्ड 4** **राजनीतिक आधुनिकीकरण, राजनीतिक संस्कृति, राष्ट्रीय एकीकरण और नक्सलवाद** **इकाई 12-भारत का राजनीतिक आधुनिकीकरण** **इकाई 13-भारत की राजनीतिक संस्कृति** **इकाई 14-राष्ट्रीय एकीकरण- बाधक तत्व, एकीकरण के उपाय** **इकाई 15-नक्सलवाद**

पाश्चात्य् राजनीतिक चिंतन-II (एमएपीएस -507)	तुलनात्मक राजनीति एवं राजनीतिक संस्थाएं-II (एमएपीएस -508)
खण्ड 1 **सामाजिक अनुबंध सम्बन्धी विचारक** **इकाई 1-**हॉब्स **इकाई2-**लॉक **इकाई3-**रूसो इकाई4-माण्टेस्क्यू **खण्ड 2** **उपयोगितावादी विचारक** **इकाई 4-**जरमी बेंथम **इकाई 5-**जॉन स्टुअर्ट मिल **इकाई 6-**जॉन आस्टिन **खण्ड 3** **आदर्शवादी विचारक** **इकाई 7-**इमैनुअल कॉण्ट **इकाई 8-**जार्ज विल्हेल्म फ्रेडरिक हीगल **इकाई9-**टॉमस हिल ग्रीन **खण्ड 4** **विज्ञानवाद, वैज्ञानिक समाजवाद** **इकाई 10-**आगस्ट कॉम्ट, हरबर्ट स्पेन्सर **इकाई 11-**कार्ल मार्क्स	**खण्ड 1** **व्यवस्था उपागम** **इकाई 1-**व्यवस्था विश्लेषण - राजनीतिक व्यवस्था की अवधारणा **इकाई 2-**निवेश निर्गत विश्लेषण (डेबिड ईस्टन) **इकाई 3-**संरचनात्मक प्रकार्यत्मक उपागम, आमण्ड **खण्ड 2** **राजनीतिक समाज विज्ञान की संकल्पनाएं** **इकाई 4-**राजनीतिक संचार **इकाई 5-**राजनीतिक विकास **इकाई 6-**राजनीतिक आधुनिकीकरण **इकाई 7-**राजनीतिक समाजीकरण **इकाई 8-**राजनीतिक संस्कृति **खण्ड 3** **तुलनात्मक राजनीति के विविध आयाम** **इकाई 9-**राजनीतिक दल **इकाई 10-**दबाव समूह और राजनीति **इकाई 11-**प्रतिनिधित्व- अर्थ, प्रकृति, प्रतिनिधित्व के प्रकार **इकाई 12-**राजनीतिक अभिजन **इकाई 13-**शक्ति पृथक्करण एवम् अवरोध सन्तुलन

एम0 ए0 द्वितीय वर्ष

तृतीय सेमेस्टर	
भारतीय राजनीतिक चिंतन-I(एमएपीएस - 601)	लोकप्रशासन के सिद्धान्त-I (एमएपीएस - 602)
खण्ड 1 **प्राचीन भारतीय चिन्तन परम्परा** **इकाई 1-** प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिन्तन की विशेषताएं **इकाई 2-**मनु	**खण्ड 1** **लोक प्रशासन के सिद्धान्त** **इकाई 1-** लोक प्रशासन का अर्थ, प्रकृति क्षेत्र, महत्व **इकाई 2-** लोक प्रशासन के अध्ययन के विभिन्न दृष्टिकोण

इकाई 3-कौटिल्य **खण्ड 2** **समकालीन भारतीय राजनीतिक चिंतक-1** **इकाई4-स्वामी विवेकानन्द** **इकाई 5-अरविन्द घोष** **इकाई 6-महात्मा गांधी** **खण्ड 3** **आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतक** **इकाई 7-** राजा राममोहन राय **इकाई 8-** गोपाल कृष्ण गोखले **इकाई 9-** बाल गंगाधर तिलक **इकाई 10-**स्वामी दयानन्द सरस्वती	इकाई 3-लोक प्रशासन तथा निजी प्रशासन **इकाई 4-** लोक प्रशासन का विकास, नवीन लोक प्रशासन, नवीन लोक प्रबन्ध **इकाई 5-** लोक प्रशासन का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध **खण्ड 2** **विकास प्रशासन व तुलनात्मक लोक प्रशासन** **इकाई 6-** विकास प्रशासन अर्थ, विशेषताएँ, क्षेत्र **इकाई 7-** विकसित और विकासशील देशों में विकास प्रशासन **इकाई 8-** तुलनात्मक लोक प्रशासन अर्थ, क्षेत्र एवं अध्ययन के दृष्टिकोण **इकाई 9-**लोक प्रशासन एवं लोक नीति **खण्ड 3** **लोक प्रशासन में संगठन** **इकाई 10-**संगठन-महत्व, अर्थ, औपचारिक संगठन, अनौपचारिक संगठन **इकाई 11-**संगठन की विचारधाराएँ- शास्त्रीय, मानव संबंध विषयक, व्यवस्था विचारधारा **इकाई 12-**संगठन के सिद्धान्त- पद सोपान, नियंत्रण का क्षेत्र, आदेश की एकता **इकाई 13-**समन्वय, प्रत्यायोजन, पर्यवेक्षण, केन्द्रीकरण, विकेन्द्रीकरण

अन्तर्राष्ट्रीय संबंध 1945 से वर्तमान तक- I(एमएपीएस - 603)

खण्ड 1
अन्तर्राष्ट्रीय संबंध और द्वितीय विश्व युद्ध

इकाई 1- अन्तर्राष्ट्रीय संबंध- अर्थ, स्वरूप
इकाई 2-द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण और प्रभाव
इकाई 3-संयुक्त राष्ट्र संघ- उद्देश्य, संगठन, भूमिका, उपलब्धियाँ

खण्ड 2
शीत युद्ध

इकाई 4- शीत युद्ध की उत्पत्ति तथा विकास
इकाई 5-तनाव शैथिल्य एवं इसका विश्वराजनीति पर प्रभाव
इकाई 6-शीतयुद्ध का अन्त, नव शीत युद्ध तथा उसका विश्व राजनीति पर प्रभाव

खण्ड 3
द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के परिवर्तन

इकाई 7-गुटनिरपेक्षता- उद्देश्य, अर्थ, विशेषता एवं प्रासंगिकता
इकाई 8-साम्यवादी गुट का बिखराव, यूरोप का पुनर्गठन
इकाई 9-एशिया, अफ्रीका में विउपनिवेशीकरण एवं नये राज्यों का उदय एवम् विश्व राजनीति में भूमिका

खण्ड 4
विदेश नीति

इकाई 10-भारत की विदेश नीति
इकाई 11-संयुक्त राज्य अमेरिका की विदेश नीति
इकाई 12-रूस की विदेश नीति
इकाई 13-साम्यवादी चीन की विदेश नीति

भारत में लोक प्रशासन : उत्तराखण्ड राज्य के विशेष सन्दर्भ में-I(एमएपीएस -604)

खण्ड 1
परिचय

इकाई 1-भारतीय प्रशासन
इकाई 2-भारतीय प्रशासन का विकास
इकाई 3-भारतीय प्रशासन की विशेषताएं
इकाई 4-भारतीय प्रशासन: सांस्कृतिक, सामाजिक राजनीतिक आर्थिक एवं संवैधानिक पर्यावरण

खण्ड 2
संघीय शासन

इकाई 5-राष्ट्रपति उपराष्ट्रपति
इकाई 6-प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद
इकाई 7-संसद- लोक सभा, राज्य सभा
इकाई 8-मंत्रिमंडलीय सचिवालय, केन्द्रीय सचिवालय, प्रधानमंत्री कार्यालय
इकाई 9-राजनीति और प्रशासन में संबंध

खण्ड 3
उत्तराखण्ड में राज्य प्रशासन

इकाई 10- उत्तराखण्ड का इतिहास- प्रशासनिक सन्दर्भ में
इकाई 11- उत्तराखण्ड में राज्य प्रशासनः एक पारिस्थिकी विश्लेषण
इकाई 12- केन्द्र राज्य सम्बन्ध: विधायी और प्रशासनिक
इकाई 13-भारत में केन्द्र-राज्य वित्तीय सम्बन्ध- उत्तराखण्ड के वित्तीय संदर्भ में

चतुर्थ सेमेस्टर

भारतीय राजनीतिक चिंतन-II(एमएपीएस - 605)

खण्ड1
समकालीन भारतीय राजनीतिक चिंतक-1

इकाई 1-सुभाष चन्द्र बोस
इकाई 2-जवाहर लाल नेहरू
इकाई 3-आचार्य विनोवा भावे

खण्ड 2
समकालीन भारतीय राजनीतिक चिंतक-2

इकाई 4-सुरेन्द्रनाथ बनर्जी
इकाई 5-दादाभाई नौरोज
इकाई 6-विनायक दामोदर सावरकर
इकाई 7-डॉ0 भीम राव अम्बेडकर
इकाई 8-दीनदयाल उपाध्याय

खण्ड 3
समाजवादी चिंतक

इकाई 9-मानवेन्द्र नाथ राय
इकाई 10-जय प्रकाश नारायण
इकाई 11-आचार्य नरेन्द्र देव
इकाई 12-डॉ0 राम मनोहर लोहिया

लोकप्रशासन के सिद्धान्त-II (एमएपीएस - 606)

खण्ड1
संगठन की संरचना

इकाई 1-मुख्य कार्यपालिका
इकाई 2-सूत्र तथा स्टाफ
इकाई 3-सूत्र अभिकरण- विभाग
इकाई4-सूत्र अभिकरण- लोक निगम, स्वतंत्र नियामकीय आयोग

खण्ड 2
लोक प्रशासन पर नियंत्रण, प्रबन्ध और नेतृत्व

इकाई 5-लोक प्रशासन पर नियंत्रण: विधायी नियंत्रण, कार्यकारी नियंत्रण, न्यायिक नियंत्रण
इकाई 6-प्रबन्ध, अर्थ, प्रकृति, सहभागी प्रबन्ध, अच्छे प्रबन्ध की कसौटियाँ
इकाई 7-नेतृत्व, नीति निर्धारण तथा निर्णय करना

खण्ड 3
नियोजन, नौकरशाही और लोकसेवा

इकाई 8-नियोजन: अर्थ, प्रकार, नियोजन प्रक्रिया, योजना आयोग, राष्ट्रीय विकास परिषद
इकाई 9-नौकरीशाही -अर्थ, नौकरशाही के प्रकार, गुण, दोष, मैक्स बेबर की नौकरशाही
इकाई 10- लोकसेवा का अर्थ, कार्य, भारत में आखिल भारतीय सेवाएँ, भारतीय प्रशासनिक सेवा

खण्ड 4
बजट, लेखा परिक्षण और प्रदत्त विधि निर्माण

इकाई-11 बजट- विधायी नियंत्रण का एक उपकरण - बजट का आर्थिक महत्व बजट निर्माण की प्रक्रिया (भारत में)
इकाई -12निष्पादन बजट, शून्य आधारित बजट, लोक लेखा समिति, अनुमान समिति
इकाई 13भारत में लेखा परीक्षण: नियंत्रक महालेखा परीक्षक
इकाई 14प्रदत्त विधि निर्माण

अन्तर्राष्ट्रीय संबंध 1945 से वर्तमान तक-II
(एमएपीएस - 607)

खण्ड 1
भारत और विश्व की प्रमुख शक्तियां

इकाई 1-भारत-रूस संबन्ध
इकाई 2-भारत-अमेरिका संबंध
इकाई 3-भारत-चीन संबंध

खण्ड 6
भारत और पड़ोसी देश

इकाई 4-भारत-पाकिस्तान संबंध
इकाई5-भारत-नेपाल संबंध, भारत-बंग्लादेश संबंध
इकाई 6-भारत-श्रीलंका, भारत-म्यामार संबंध, भारत-अफगानिस्तान संबंध

खण्ड 7
परमाणु नीति

इकाई7-भारत की परमाणु नीति- भारत अमेरिका असैन्य नाभिकीय सैन्य समझौता
इकाई8-निरस्त्रीकरण, शस्त्र नियंत्रण
इकाई 9-परमाणु अप्रसार संधि(एनपीटी) , व्यापक परीक्षण प्रतिबन्ध संधि (सीटीबीटी)

खण्ड 8
भारत और विभिन्न संगठन

इकाई 10-भारत - संयुक्त राष्ट्र संघ
इकाई 11-भारत –सार्क
इकाई 12-भारत आशियान

खण्ड 9
अन्तर्राष्ट्रीय संबंध में उभरती प्रवृत्तियां

इकाई 13-हिन्द महासागर का सामरिक एवम् आर्थिक परिदृश्य
इकाई14भूमंडलीकरण
इकाई15-नव-अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था

भारत में लोक प्रशासन : उत्तराखण्ड राज्य के विशेष सन्दर्भ में-II(एमएपीएस -608)

खण्ड 1
उत्तराखण्ड की प्रशासनिक संरचना

इकाई 1-राज्यपाल, मुख्यमंत्री
इकाई 2-राज्य सचिवालय, मंत्रिमण्डलीय सचिवालय,मुख्य सचिव
इकाई 3-राज्य योजना आयोग
इकाई 4-राज्य में प्रशासनिक सुधार

खण्ड 2
उत्तराखण्ड मेंमहत्वपूर्ण विभाग

इकाई 5-गृह विभाग, वित विभाग, आपदा विभाग
इकाई 6-उत्तराखण्ड में जनजातियॉ एवं जनजाति विकास हेतु प्रशासनिक तंत्र
इकाई 7-आपदा प्रबन्धन

खण्ड 3
उत्तराखण्ड में कार्मिक प्रशासन

इकाई 8-राज्य लोक सेवा आयोग
इकाई 9-भर्ती, प्रशिक्षण(एटीआई के संदर्भ में) एवम् पदोन्नति
इकाई10-सांस्कृतिक एवम् भाषा विकास

खण्ड 4
स्थानीय स्वशासन

इकाई 11-पंचायतीराज ७३ वां संवैधानिक संशोधन
इकाई 12-नगरीय स्थानीय शासन : ७४ वां संवैधानिक संशोधन

प्रवेश, पाठ्यक्रम आदान-प्रदान और मूल्यांकन की प्रक्रिया(Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation)-लोक प्रशासन विषय में स्नातकोत्तर स्तर पर वर्ष में दो बार(ग्रीष्म और शीत सत्र में) प्रवेश की प्रक्रियाहै। स्नातकोत्तर में प्रवेश के लिए स्नातक उत्तीर्ण होना आवश्यक है। स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के दोनों सेमेस्टरों का शुल्क एक साथ रू0 5150 और द्वितीय वर्ष का शुल्क रू0 5800शुल्क लेने का प्रावधानकिया गया है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्ग के छात्रों के लिए शुल्क मांफी का प्रावधान है। प्रवेश, पाठ्यक्रम और मूल्यांकन हेतु विभिन्न वैब-टूल्स का प्रयोग किया जाता है। शिक्षार्थी के मूल्यांकन हेतु अकादमिक सत्र के दौरान सत्रीय-कार्य और वार्षिक परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन किया जाता है।

शुल्क, प्रति सेमेस्टर, रू0 1500	4 सेमेस्टर,	रू06000
परीक्षा शुल्क , प्रति प्रश्न पत्र रू0 250	18 प्रश्न-पत्र,	रू04500
Miscellaneous		रू0150
डिग्री शुल्क		रू0300
कुल शुल्क		रू010950

प्रयोगशाला और पुस्तकालय संसाधनों की आवश्यकता(Requirement of the laboratory support and Library Resources)-विश्वविद्यालय स्तर पर शिक्षार्थियों के लिए के लिए पुस्तकालय की व्यवस्था है, जिसमें विद्यार्थी सन्दर्भ पुस्तकों का अध्ययन करते हैंइसके साथ ही विश्वविद्यालय के प्रत्येक अध्ययन-केन्द्र में भी पुस्तकालय की उपलब्धता है।

कार्यक्रम की अनुमानित लागत और प्रावधान(Costestimate of the programme and the provisions)- लोक प्रशासन कार्यक्रम के अन्तर्गत इकाई निर्माण हेतु लेखन, सम्पादन और मुद्रण हेतु प्रत्येक इकाई में 9500 हजार रूपये की लागत से लगभग 20 लाख 14 हजार रूपये की धनराशि प्रयोग में लाई गयी है।

गुणवत्ता नीति-तंत्र और कार्यक्रम के संभावित परिणाम(Quality assurance mechanism and expected programme outcomes)-कार्यक्रम की गुणवत्ता के लिए समय-समय पर विशेषज्ञ समिति (Expert committee) और अध्ययन बोर्ड(Board of Study) के द्वारा विषय-विशेषज्ञों की सलाह ली जाती है।